[illegible]

चतुर्दश बिहार विधान सभा के द्वादश सत्र के स्वीकृत अल्पसूचित प्रश्न

वर्ग-5

कुल प्रश्नों की संख्या- 15

क्रमांक	विभाग का नाम	प्रश्नों की संख्या	पृष्ठ संख्या
1.	ऊर्जा	02	
2.	आपदा प्रबंधन	02	
3.	शिक्षा	06	
4.	योजना एवं विकास	04	
5.	विधि	01	
		कुल 15	

तारांकित प्रश्न

क्र०	सांकेतिक चिन्ह	माननीय सदस्य का नाम	विनिश्चय विषय	क्रमांक/दिनांक
1	2	3	4	5
			ऊर्जा विभाग	
1.	ऊ-1	श्री राजेन्द्र [illegible]	तार बदलना	1105/14.08.15
2.	ऊ 2	श्रीमती ऊषा सिन्हा	विद्युत आपूर्ति करना	1069/16.08.15
		आपदा प्रबन्धन विभाग		
3.	प्र-1	श्री आलोक रंजन	अनुदान देना	1068/16.08.15
4.	प्र-2	श्रीमती सुनीता सिंह	राहत देना	1067/16.08.15
		स्वास्थ्य विभाग		
5.	स्वा-1	श्री श्याम सिंह 'पटेल'	कार्यवाही करना	1061/16.08.15
6.	स्वा-2	श्री जनार्दन सिंह 'सिग्रीवाल'	आवंटन कराना	1062/16.08.15
7.	स्वा-3	श्री रवीन्द्रनाथ दुबे	निर्माण कराना	1063/16.08.15
8.	स्वा-4	श्री संजीव कुमार सिंह	एम्बुलेंस की व्यवस्था कराना	1066/16.08.15
9.	स्वा-5	डा० रामानंद यादव	स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण	1065/16.08.15
10.	स्वा-6	श्री अखिलेश सिंह	चालू कराना	1064/16.08.15
		योजना एवं विकास विभाग		
11.	यो-1	श्री सुरेश कुमार शर्मा	कार्यवाही करना	1060/16.08.15
12.	यो-2	डा० अच्युतानंद	कार्यवाही करना	1059/16.08.15
13.	यो-3	श्रीमती सुनीता सिंह	कार्यवाही करना	1058/16.08.15
14.	यो-4	श्री अरुण कुमार सिंह	कार्यवाही करना	1057/16.08.15
		विधि विभाग		
15.	वि-1	श्रीमती पूनम देवी यादव [illegible]	[illegible]	

तार बदलना

श्री सतीश चन्द्र दुबे, स0वि0स0 से प्राप्त अतारांकित प्रश्न ।

1. संख्या य 1 :- क्या मंत्री, उर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :-

1. क्या यह बात सही है कि प0 चम्पारण जिले के नरकटियागंज प्रखंड के ग्रामीण एवं शहर क्षेत्रों का 11 हजार वोल्ट का तार 40 वर्ष पुराना है जो काफी जर्जर हो चुका है,

2. क्या यह बात सही है कि तार गिरने से दुर्घटनाओं के क्रम में दिनांक-16.07.13 को एक व्यक्ति की मृत्यु हुई एवं एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है,

3. यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार जर्जर 11 हजार वोल्ट का तार को बदलने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

विद्युत आपूर्ति करना

श्रीमती उषा सिन्हा, स0वि0स0 से प्राप्त अतारांकित प्रश्न ।

2. संख्या य 2 :- क्या मंत्री, उर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :-

क्या यह बात सही है कि नालन्दा जिले के कराय परशुराय प्रखण्ड के दियावां पंचायत के ग्राम डियावां, चन्दकूरा तथा बिजली हुंडारी, चौकी हुंडारी तथा मिल्की हुंडारी इत्यादि गाँवों में बिजली की आपूर्ति नहीं है, यदि हाँ तो क्या सरकार उक्त गाँवों में विद्युत आपूर्ति करना चाहती है, नहीं तो क्यों ?

अनुदान देना

श्री आलोक रंजन, ~~स0वि0स0 से प्राप्त अतारांकित प्रश्न।~~

3. ~~संख्या~~ धुन 1 ः- क्या मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :-

1. क्या यह बात सही है कि सहरसा जिला में वर्ष 2008 में प्रलयकारी बाढ़ आने के कारण सौर बाजार प्रखण्ड के कई पंचायतों में गृह एवं जान-माल के भारी क्षति होने के कारण लोगों को भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा था,

2. क्या यह बात सही है कि इस प्रयलकारी बाढ़ में हुए क्षति को देखकर सरकार द्वारा पीड़ितों को गृह क्षति अनुदान देने की घोषणा की गयी थी,

3. क्या यह बात सही है कि सौर बाजार प्रखण्ड के विभिन्न पंचायतों यथा कांप पूर्वी, कांप पश्चिमी, कदैया, सुहथ, रौता, अजगैवा एवं सौर बाजार में सरकारी आदेश के बावजूद अभी तक गृह क्षति अनुदान के रूप में 10,000/- (दस हजार) रू0 एवं 55,000/- (पचपन हजार) रू0 की राशि सभी पीड़ितों को न देकर आधे-अधूरे पीड़ितों को दिया गया,

4. यदि उपर्युक्त खण्ड के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार इस प्रलयकारी बाढ़ से बेघर हुए उक्त प्रखंड के सभी पीड़ितों को गृह क्षति अनुदान देने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

राहत देना

श्रीमती सुनीता सिंह, ~~स0वि0स0 से प्राप्त अतारांकित प्रश्न।~~

4. ~~संख्या~~ धुन 2 ः- माननीय मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :-

1. क्या यह बात सही है कि सीतामढ़ी जिलान्तर्गत बेलसंड प्रखंड के लोहासी पंचायत के गुलरिया मुहल्ले के वार्ड नं0-09 में श्री राजेन्द्र पासवान के घर से श्री सफा सहनी के घर तक लखनदेई नदी से लगातार कटाव जारी है,

2. क्या यह बात सही है कि इस कटाव से महादलित, दलित एवं अतिपिछड़े वर्ग के लगभग 100 घर प्रभावित हो रहे हैं,

3. यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार उक्त स्थान पर कटाव रोकने तथा प्रभावित परिवारों को राहत देने का विचार रखती है! नहीं तो क्यों ?

कार्रवाई करना

श्री संजय सिंह टाईगर, ~~स०वि०स० से प्राप्त अतारांकित प्रश्न।~~

5. ~~संख्या~~-द 1 : स्थानीय हिन्दी दैनिक में दिनांक-03.06.2013 को प्रकाशित शीर्षक "एक साल में सात लाख लोगों को कुत्तों ने काटा" को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

1. क्या यह बात सही है कि राज्य में वर्ष 2009 में 38912, 2010 में 156442, 2011 में 268953 एवं 2012 में 703925 कुत्ता काटने की घटनाएँ हुई है,

2. क्या यह बात सही है कि एक व्यक्ति को कुत्ता काटने पर औसतन 1500 रूपये की दवा का खर्च पड़ता है लेकिन कुत्ता काटने की दवा अस्पतालों में उपलब्ध नहीं रहती है जिसके कारण दवा के अभाव में मरीजों की संख्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है,

3. यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो सरकार कुत्तों के काटने की घटनाओं को रोकने के लिए कौन सी कार्रवाई कब तक करना चाहती है, नहीं, तो क्यों ?

उपलब्ध कराना

श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल, ~~स०वि०स० से प्राप्त अतारांकित प्रश्न।~~

6. संख्या-द 2 : दैनिक समाचार पत्र में छपे शीर्षक-पी० एम० सी० एच० के हड्डी विभाग का हाल-ऑपरेशन में डॉक्टर के हाथ से फिसल जाते औजार "यहाँ घिसे हुए औजारों से होता है ऑपरेशन" को ध्यान में रखते हुए क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

1. क्या यह बात सही है कि पी० एम० सी० एच० के हड्डी / सर्जरी विभाग में 1989 के बाद अब तक कोई ऑपरेशन उपकरण खरीदा नहीं गया है,

2. क्या यह बात सही है कि ऑपरेशन के 45 ऐसे औजार है जो 1991 से पहले खरीदे गये थे, और जो अभी ऑपरेशन करने योग्य नहीं है,

3. क्या यह बात सही है कि सर्जरी विभाग से 12 अक्टूबर, 2012 को 39 औजार खरीदने हेतु अस्पताल प्रशासन को पत्र भेजा गया था,

4. यदि उपरोक्त खण्डों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार हड्डी / सर्जरी विभागों में उपयोग होने वाले औजारों को मरीजों के हित में शीघ्र उपलब्ध कराना चाहती है, यदिहाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

निर्माण कराना

श्री सतीश चन्द्र दुबे, ~~स०वि०स० से प्राप्त अतारांकित प्रश्न~~ ।

7. ~~संख्या~~- द 3 9 - क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि:-

1. क्या यह बात सही है कि पश्चिम चम्पारण जिले के नरकटियागंज प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में डाक्टरों का आवास एवं अस्पताल की चाहरदिवारी नहीं है,

2. यदि उपर्युक्त खण्ड के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार उक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में डाक्टरों के आवास एवं चाहरदिवारी का निर्माण कराना चाहती है, यदि हाँ, तो कब तक, नहीं तो क्यों ?

एम्बुलेंस की व्यवस्था

श्री मंजीत कुमार सिंह, ~~स०वि०स० से प्राप्त अतारांकित प्रश्न~~ ।

8. ~~संख्या~~- द 4 9 - क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, दैनिक समाचार पत्र में दिनांक-02.07.2013 को छपें खबर "गाँवों के लिये खरीदी जायेगी 391 एम्बुलेंस" शीर्षक को ध्यान में रखते हुये, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :-

1. क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य के सभी अस्पतालों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर एम्बुलेंस पर्याप्त नहीं है तथा 102 एम्बुलेंस पर डायल करने पर अक्सरहां उत्तर मिलता है कि एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं है,

2. यदि उपरोक्त खण्ड का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार प्रत्येक स्वास्थ्य केन्द्र एवं अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिय उपर्युक्त मात्रा में एम्बुलेंस मुहैया कराने की व्यवस्था करना चाहती है ।

स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण

श्री डा0 कृष्णनन्दन यादव, ~~अ0वि0स0 से प्राप्त अल्पसूचित प्रश्न~~।

9. ~~संख्या~~- द 5 प्र- क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :-

1. क्या यह बात सही है कि अतरी विधान सभा क्षेत्र के गेठियन ग्राम गया से लगभग 60-65 कि॰मी॰ दूर है,

2. क्या यह बात सही है कि उक्त इलाके में एक भी अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र नहीं है,

3. यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार गेठियन ग्राम में अतिरिक्त स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कराना चाहती है, यदि हाँ, तो कब तक, नहीं, तो क्यों ?

चालू कराना

श्री अम्बिका सिंह, ~~अ0वि0स0 से प्राप्त अल्पसूचित प्रश्न~~।

10. ~~संख्या~~- द 6 प्र- क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :-

1. क्या यह बात सही है कि कैमूर जिलान्तर्गत प्रखंड दुर्गावती स्थित स्वास्थ्य उपकेन्द्र का एक्सरे मशीन एवं जेनरेटर एक वर्ष से खराब है जिससे मरीजों को कठिनाई होती है,

2. यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार उक्त एक्सरे मशीन एवं जेनरेटर को चालू कराने का विचार रखती है, यदि हाँ, तो कब तक, नहीं तो क्यों ?

कार्रवाई करना

श्री सुरेश कुमार शर्मा, स०वि०स० से प्राप्त अतारांकित प्रश्न ।

11. संख्या-च-1 क्या मंत्री, योजना विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :-

§1§ क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर जिला अन्तर्गत मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अन्तर्गत विधायकों द्वारा अनुशंसित योजना के कार्यों को निश्चित समय सीमा के अन्दर तकनीकि स्वीकृति, प्रशासनिक स्वीकृति देकर कार्य पूर्ण कराने का प्रावधान है,

§2§ क्या यह बात सही है कि मुजफ्फरपुर विधान सभा क्षेत्र में विधायक द्वारा अनुशंसित वर्ष 2011-12 के सभी योजना कार्य पूर्ण होना तो दूर अभी तक कार्य प्रारम्भ भी नहीं हो पाया है,

§3§ यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार निश्चित समय सीमा के अन्दर कार्य को पूर्ण नहीं कराने वाले दोषी अभियंताओं तथा पदाधिकारियों पर कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हाँ तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

कार्रवाई करना

श्री डॉ० अच्युतानन्द, स०वि०स० से प्राप्त अतारांकित प्रश्न ।

12. संख्या-च-2 दैनिक समाचार पत्र के दिनांक-21 अप्रैल 2013 के अंक में छपी खबर "12 हजार करोड़ से पूरी नहीं होगी बिहार की जरूरतें" शीर्षक के के आलोक में क्या मंत्री, योजना एवं विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :-

§1§ क्या यह बात सही है कि पिछले सात [illegible] पूर्वोत्तर राज्यों की पटना में हुई बैठक में राज्य के माननीय मुख्यमंत्री जी ने बिहार के लिए 57,344 करोड़ रुपये की सहायता की मांग केन्द्र सरकार से की थी जिसके विरुद्ध केन्द्र सरकार द्वारा मात्र 12 हजार करोड़ रुपये की स्वीकृति अप्रैल, 2013 में दी गयी है,

§2§ क्या यह बात सही है कि 11वीं पंचवर्षीय योजना §2007-8 12§ में राज्य के लिए केन्द्र द्वारा 10,482.87 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गयी थी ,लेकिन मात्र 6209.43 करोड़ की राशि हीं राज्य सरकार को प्राप्त हुई,

§3§ यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार मांग के अनुरूप राशि प्राप्त करने के लिए कौन सी कार्रवाई करने का विचार रखती है, हाँ तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

कार्रवाई करना

श्रीमती सुनीता सिंह, स०वि०स० से प्राप्त अतारांकित प्रश्न ।

13. संख्या-च-3-क्या मंत्री, योजना विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :-

§1§ क्या यह बात सही है कि जिला स्तर पर मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना का क्रियान्वयन जिला योजना पदाधिकारी के माध्यम से कराया जाता है,

§2§ क्या यह बात सही है कि वित्तीय वर्ष 2010-11 में शिवहर जिले को मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना में आवंटित राशि जिला स्तर पर सही क्रियान्वयन नहीं होने के कारण प्रत्यर्पित कर दिया गया,

§3§ क्या यह बात सही है कि जिला संचालन समिति शिवहर द्वारा 47 चयनित योजनाओं में से 29 योजनाओं की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई थी, परन्तु क्रम तोड़कर जिले के दो में से एक विधान सभा क्षेत्रान्तर्गत योजनाओं का कार्यान्वयन कराया जा रहा है,

§4§ यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार राशि के प्रत्यर्पण एवं योजनाओं के कार्यान्वयन में एक विधान सभा की उपेक्षा के लिये दोषी पदाधिकारी का उत्तरदायित्व निर्धारित कर अनुशासनात्मक एवं दंडात्मक कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हाँ तो कबतक, नहीं तो क्यों ?

कार्रवाई करना

श्री अरुण कुमार सिंह, स०वि०स० से प्राप्त अतारांकित प्रश्न ।

14. संख्या-च-4-क्या मंत्री, योजना एवं विकास विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :-

§1§ क्या यह बात सही है कि विधायक विकास योजना के लिए राज्य के 38 जिलों में से 24 जिलों को वित्तीय वर्ष 2012-13 में 963.47 लाख रुपये खर्च करने हेतु आवंटित किया गया था,

§2§ क्या यह बात सही है कि वित्तीय वर्ष 2012-13 में पश्चिम चम्पारण कटिहार, पूर्णिया, बेगूसराय, मधेपुरा, सारण, शिवहर, बक्सर, दरभंगा, वैशाली, सहरसा तथा पटना द्वारा क्रमशः 0, 01, 32, 34, 45, 45, 51, 53, 54, 55, 56 तथा 59 प्रतिशत ही राशि खर्च की जा सकी है,

§3§ यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार खंड §2§ में वर्णित जिलों में शत प्रतिशत राशि नहीं खर्च करने वाले पदाधिकारी के

अतिक्रमण हटाना

श्रीमती पूनम देवी यादव, स०वि०स० ~~से प्राप्त अतारांकित प्रश्न-~~

15\. ~~संख्या-र-~~ क्या मंत्री, विधि विभाग (वक्फ), यह बतलाने की कृपा करेंगे कि :-

(1) क्या यह बात सही है कि खगड़िया जिलान्तर्गत गोगरी अंचल के मुश्कीपुर मौजे में तौजी नं0 3339 की जमीन बिहार स्टेट सुन्नी वक्फ बोर्ड में रजिस्ट्रेशन नं0 377 के जरिये निबंधित है,

(2) क्या यह बात सही है कि पूर्व मुतवल्ली स्व0 सैयद जमालउद्दीन अहमद ने वक्फ की जमीन अपने सगे संबंधियों के नाम दान पत्र द्वारा मालिकाना हक दिला दिया था जिसके आधार पर जमीन को बेची जा रही है,

(3) क्या यह बात सही है कि वक्फ के जमीन के अधिकांश भाग में बाग-बगीचे लगे हुए हैं जिसके हरे-भरे फलदार पेड़ को काटकर अवैध निर्माण का कार्य किया जा रहा है,

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार वक्फ की जमीन पर से अतिक्रमण हटाकर उसकी पूर्ण सुरक्षा करने का विचार रखती है, नहीं तो क्यों ?